

प्रेषक,

डी० सेंथिल पाण्डियन,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,

ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 05 अक्टूबर, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रारम्भिक शिक्षा के आय-व्ययक में कतिपय मदों में आवश्यकता से न्यून प्राविधानित होने के कारण पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-अर्थ-2/1545 3/5क (1)18/2015-16 दिनांक 16 अक्टूबर, 2015 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रारम्भिक शिक्षा के आय-व्यय के कतिपय मदों में आवश्यकता से न्यून धनराशि प्राविधानित होने के दृष्टिगत उन मदों हेतु संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र बी०एम०-०९ के अनुसार रु० 3,20,000 (रुपये तीन लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01-04-2015 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक की निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (3) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (4) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (5) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (6) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।

- (7) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (8) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (9) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

02— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-01-प्रारम्भिक शिक्षा-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-निदेशालय अधिष्ठान के अन्तर्गत संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र-बी0एम0 09 के कालम-7 के उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोग प्रपत्र के कालम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

03— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 276 (P) /XXVII(3)/2015-16 दिनांक 26-11-15 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,


(डी० सेंथिल पाण्डियन)  
सचिव

सं० (i) /xxiv(1) /2015-11 /2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
04. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड
05. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
06. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
07. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
08. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव।



**उत्तराखण्ड शासन**  
(वित्तीय वर्ष 2015-2016)  
**बी.एम. - 09**


संख्या - 011  
नियोग स्वीकृति आदेश संख्या - .

अलोटमेंट आईडी - R1512110202  
दिनांक - 19-Dec-2015

क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखासिर्शक (1)	मानक मदवार अष्टावधिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरप्लस समायोजित धनराशी (4)	लेखासिर्शक जिसमें धनराशी स्थानान्तरित की जाती है (5)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी	(In Rupees) अभिव्यक्ति
	2202 सामान्य शिक्षा 01 प्रारम्भिक शिक्षा 001 निदेशन तथा प्रशासन 03 निदेशालय अधिष्ठान (02-001-03 से लय 00 निदेशालय अधिष्ठान (02-001-03 में स (Plan Voted)				2202 सामान्य शिक्षा 01 प्रारम्भिक शिक्षा 001 निदेशन तथा प्रशासन 03 निदेशालय अधिष्ठान (02-001-03 00 निदेशालय अधिष्ठान (02-001-03 (Plan Voted)			
1	09 - विद्युत देय 200000	0	0	200000	27 - चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति 320000	480000	0	
2	10 - जलकर / जल प्रभार 20000	0	0	20000	योग 320000		0	
3	17 - किराया, उपशुल्क और कर- 100000	0	0	100000			0	
	योग			320000				

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 133,134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।


पुनर्विनियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेण्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी


  
(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3  
संख्या-276(P)/xxvii(3)@2014  
देहरादून: दिनांक: 26 नवम्बर, 2015


सेवा मे,

महालेखाकार,  
लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड,  
सहारनपुर रोड़,  
ओबरॉय बिल्डिंग, देहरादून।

  
(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव

  
(श्रीधर बाबू अद्वितीय)  
अपर सचिव, वित्त

- संख्या- /xxvii(3)/2015 तददिनांक।  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्य, उत्तराखण्ड।
  - 2- मुख्य कोषाधिकारी, साइबर कोषागार, देहरादून।
  - 3- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशाधन निदेशालय, देहरादून।
  - 4- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3
  - 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
  - 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव